भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3280

16.12.2024 को उत्तर के लिए

पंजाब के बुड्ढा नाला में प्रदूषण

3280. श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि लुधियाना में 14 किमी. लंबा बुड्ढा नाला, जिसमें घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट बहता है, वलीपुर स्थित सतलुज नदी में गिरता है और मालवा क्षेत्र के हजारों परिवारों द्वारा इस नदी के पानी का उपयोग पीने के प्रयोजनार्थ किया जाता है;
- (ख) क्या सरकार ने उन रिपोर्टों का संज्ञान लिया है जिनमें यह दर्शाया गया है कि साझा बहिस्राव शोधन संयंत्रों (सीईटीपी) द्वारा शोधित किए जाने के बावजूद कई रंगाई इकाइयों से निकलने वाला अपशिष्ट पदार्थ अत्यधिक विषैला है और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप नहीं है;
- (ग) क्या यह सच है कि पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) की शर्तों के विपरीत तीन सीईटीपी कथित रूप से निर्धारित निपटान संबंधी शर्तों का उल्लंघन करते हुए बुड्ढा नाले में शोधित बहिस्राव बहा रहे हैं;
- (घ) क्या केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने बुड्ढा नाला में अत्यधिक जल प्रदूषण के संबंध में पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) को दिए गए 12 अगस्त, 2024 के निदेशों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई की है;
- (ङ) यदि हां, तो रंगाई इकाइयों के विरुद्ध की गई कार्रवाई और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (च) क्या इस संबंध में कोई की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (छ) सरकार द्वारा पर्यावरणीय मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने और बुड्ढा नाला तथा सतलुज नदी को और अधिक प्रदूषित होने से रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (छ):

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने दिनांक 22-23 अप्रैल, 2024 के दौरान निस्सरण मानदंडों के अनुपालन की जाँच करने के लिए लुधियाना में स्थित चार (04) साझा बहिस्राव शोधन संयंत्रों (सीईटीपी) का निरीक्षण और निगरानी की है। यह पाया गया कि 04 सीईटीपी में से, प्लॉट नंबर डी-260-261, फेज-VIII, फोकल प्वाइंट, लुधियाना स्थित 500 केएलडी के 01 सीईटीपी ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज

(जेडएलडी) स्थापित किया है और निम्नलिखित शेष तीन (03) सीईटीईपी निस्सरण मानकों की सीमा से अधिक निस्सरण करते हुए पाए गए।

क्र.सं.	1	2	3
सीईटीपी की निर्दिष्ट क्षमता एवं स्थान	सीईटीपी 40 एमएलडी (फोकल पॉइंट मॉड्यूल) ताजपुर रोड, सेंट्रल जेल के पास, लुधियाना (पंजाब)	सीईटीपी 50 एमएलडी ताजपुर रोड, सेंट्रल जेल के पास, लुधियाना, पंजाब	सीईटीपी 15 एमएलडी, बहादुर के रोड, जिला लुधियाना, (पंजाब)
औद्योगिक क्षेत्र	रंगाई उद्योग क्षेत्र फोकल प्वाइंट (फेज़ 1 से फेज़ 8 तक)	रंगाई उद्योग ताजपुर रोड, लुधियाना	टैकसटाइल एण्ड किन्टवियर रंगाई इकाइयां औद्योगिक क्षेत्र, बहादुर के रोड, लुधियाना
सीईटीपी की शोधन प्रणाली	जैविक (एसबीआर) प्रक्रिया से शोधन करने के बाद भौतिक-रासायनिक प्रक्रिया से शोधन	जैविक (एसबीआर) प्रक्रिया से शोधन करने के बाद भौतिक-रासायनिक प्रक्रिया से शोधन	जैविक (एसबीआर) प्रक्रिया से शोधन करने के बाद भौतिक-रासायनिक प्रक्रिया से शोधन
निरीक्षण के दौरान परिचालन की स्थिति	परिचालनात्मक	परिचालनात्मक	परिचालनात्मक
स्थापित ओसीईएमएस	हां	हां	हां
अनुपालन की स्थिति	बीओडी, सीओडी और क्लोराइड, सल्फाइड मापदण्डों के संबंध में अनुपालन नहीं किया जा रहा था।	बीओडी, सीओडी और क्लोराइड मापदण्डों के संबंध में अनुपालन नहीं किया जा रहा था।	बीओडी, सीओडी और क्लोराइड, सल्फाइड मापदण्डों के संबंध में अनुपालन नहीं किया जा रहा था।
अंतिम निस्सरण	बुड़ढा नाला	बुड़ढा नाला	बुड़ढा नाला

सीपीसीबी ने जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 18 (1) (ख) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने सहित उचित कार्रवाई करने के लिए दिनांक 12.08.2024 को निर्देश जारी किए। दिनांक 12.08.2024 के निर्देश की प्रति **अनुलग्नक-1** में दी गई है।

इसके अलावा, जल प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं :

- भारत सरकार ने जल निकायों सहित पर्यावरण के संरक्षण के लिए जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 को अधिनियमित किया है।
- केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी)/प्रदूषण नियंत्रण प्रदूषण समितियां (पीसीसीएस) जलीय संसाधनों के प्रदूषण के निवारण और इसका नियंत्रण करने के लिए जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 दोनों के उपबंधों को लागू कर रहे हैं।
- एसपीसीबीएस/पीसीसी को जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 18 (1) (ख) के तहत निर्देश दिया गया है कि वे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में संबंधित एजेंसियों को मल-जल शोधन के लिए अवसंरचना के निर्माण करने का निर्देश दें।
- जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के विभिन्न उपबंधों के माध्यम से संबंधित एसपीसीबी/पीसीसी द्वारा सहमति प्रणाली के तहत औद्योगिक प्रदूषण का विनियमन कार्यान्वित किया जाता है।
- भारत सरकार ने जल निकायों में प्रदूषण के निवारण के उद्देश्य से पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के तहत सामान्य निस्सरण मानक और उद्योग विशिष्ट बहिस्त्राव निस्सरण मानक निर्धारित किए हैं।
- सीपीसीबी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार देश में 17 श्रेणियों के उद्योगों और अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) द्वारा ऑनलाइन सतत बहिस्त्राव निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) स्थापित की गई हैं। यह पहल बहिस्त्राव गुणवत्ता के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करती है, जिससे अनुपालन नहीं करने वाली इकाइयों की पहचान और सुधारात्मक कार्रवाई के कार्यान्वयन में मदद मिलती है।
- सीपीसीबी समय-समय पर राज्यों के सभी संबंधित विभागों को पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के तहत अधिसूचित प्रावधानों के अनुसार मलजल और अपशिष्ट जल के प्रबंधन के लिए तथा जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 18 (1) (ख) के साथ-साथ पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत मौजूदा एसटीपी, साझा बहिस्त्राव शोधन संयंत्रों (सीईटीपी) के उचित संचालन को सुनिश्चित करने और औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्देश जारी कर रहा है।
- सीपीसीबी ने सिंचाई में शोधित बहिस्त्राव के उपयोग के लिए दिशानिर्देशों के साथ-साथ व्यवहार्य औद्योगिक क्षेत्रों में संरक्षण और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। ताजे पानी पर निर्भरता कम करने, संधारणीयता बढ़ाने और प्रभावी जल संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में शोधित बहिस्त्राव का पुनः उपयोग किया जा सकता है।

- वर्ष 2018 में अभिज्ञात किए गए प्रदूषित नदी खंडों (पीआरएस) के पुनरुद्धार के लिए, संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के प्रधान सचिव, पर्यावरण के समग्र पर्यवेक्षण और समन्वय के तहत संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा गठित नदी पुनरुद्धार समिति (आरआरसी) द्वारा कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं, ताकि सीपीसीबी द्वारा अभिज्ञात किए गए सभी प्रदूषित नदी खंडों को स्नान के लिए उपयुक्त (बीओडी<3 मिलीग्राम/लीटर और एफस<500 एमपीएन/100 मिली) बनाया जा सके ।
- तैयार कार्य योजनाओं में स्रोत नियंत्रण (नगरपालिका मलजल प्रबंधन, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन), नदी जलग्रहण क्षेत्र/बेसिन प्रबंधन (अच्छी सिंचाई पद्धतियों को अपनाना, शोधित मलजल का उपयोग, भूजल पुनर्भरण पहलू), बाढ़ क्षेत्र संरक्षण और उसका प्रबंधन (जैव विविधता पार्को की स्थापना, अतिक्रमण हटाना, वर्षा जल संचयन, नदी के दोनों किनारों पर वृक्षारोपण), पारिस्थितिकी/पर्यावरणीय प्रवाह (ई-फ्लो) और वाटरशेड प्रबंधन जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है।

सीपीसीबी/आईपीसी-VII/सीईटीपी-लुधियाना/3471

दिनांक : 12.08.2024

सेवा में,

सदस्य सचिव
पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
वातावरण भवन, नाभा रोड
पटियाला, पंजाब

विषय: चार सीईटीपी अर्थात क. 40 एमएलडी सीईटीपी सेंट्रल जेल के पास, ताजपुर रोड (फोकल प्वाइंट मॉड्यूल), लुधियाना, पंजाब, ख. 50 एमएलडी सीईटीपी ताजपुर-राहों रोड क्लस्टर, लुधियाना, सेंट्रल जेल के पास, ताजपुर रोड, लुधियाना, पंजाब, ग. 15 एमएलडी सीईटीपी-बहादुरके रोड, लुधियाना, पंजाब और घ. 500 केएलडी सीईटीपी, प्लॉट नंबर डी-260-261, फेज़-VIII, फोकल प्वाइंट, लुधियाना, पंजाब को अनुपालन न करने की स्थिति के संबंध में जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 18(1)(ख) के तहत निर्देश।

जबकि, अन्य बातों के अलावा, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 17 के अंतर्गत, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत गठित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), (या संघ राज्य क्षेत्रों के लिए प्रदूषण नियंत्रण समिति)के कार्यों में से एक राज्य में स्थित जलधाराओं और कुओं के प्रदूषण के निवारण, नियंत्रण या उपशमन के लिए एक व्यापक कार्यक्रम की योजना बनाना और उसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है; तथा

जबकि, अन्य बातों के अलावा, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 16 के अंतर्गत, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत गठित केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के कार्यों में से एक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और प्रदूषण नियंत्रण समितियों की गतिविधियों का समन्वय करना और एसपीसीबी/पीसीसी को तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करना है; तथा

जबकि, अन्य बातों के अलावा, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 16 के अंतर्गत, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के कार्यों में से एक, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में जलधाराओं और कुओं की सफाई को बढ़ावा देना है; तथा

जबकि, केन्द्रीय सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के अधीन विभिन्न श्रेणियों के उद्योगों, साझा बहिस्त्राव शोधन संयंत्रों (सीईटीपी) तथा मलजल शोधन संयंत्रों (एसटीपी) से पर्यावरण प्रदूषकों के निस्सरण के लिए मानक अधिसूचित किए हैं: तथा

जबकि, निर्धारित मानकों के अनुपालन के लिए सीईटीपी के भीतर स्वतः निगरानी की प्रणाली की आदत डालने की आवश्यकता है और इसे ऑनलाइन सतत बहिस्त्राव निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) स्थापित करके प्राप्त किया जा सकता है; तथा

जबकि, सीपीसीबी से केंद्रीय निगरानी समिति (सीएमसी) द्वारा किए गए की पत्राचार के आधार पर सीपीसीबी के अधिकारियों द्वारा पंजाब पीसीबी के अधिकारियों के साथमिलकर चार सीईटीपी अर्थात् (i) सीईटीपी-40 एमएलडी सेंट्रल जेल के पास, ताजपुर रोड (फोकल प्वाइंट मॉड्यूल), लुधियाना, पंजाब, (ii) सीईटीपी 50 एमएलडी ताजपुर-राहों रोड क्लस्टर, लुधियाना, सेंट्रल जेल के पास, ताजपुर रोड, लुधियाना, पंजाब, (iii) सीईटीपी-15 एमएलडी बहादुरके रोड, लुधियाना, पंजाब और (iv) सीईटीपी-500 केएलडी सीईटीपी, प्लॉट नंबर डी-260-261, चरण-VIII, फोकल प्वाइंट, लुधियाना, पंजाब का दिनांक 22.04.2024 और 23.04.2024 के दौरान निरीक्षण किया गया। निम्नलिखित प्रमुख अवलोकन किए गए:

क. सीईटीपी- 40 एमएलडी, सेंट्रल जेल के पास, ताजपुर रोड (फोकल प्वाइंट मॉड्यूल), लुधियाना, पंजाब (इसके बाद सीईटीपी के रूप में संदर्भित):

- i. दिनांक 22.04.2024 को किए गए दौरों के दौरान, सीईटीपी को 29 एमएलडी की प्रवाह दर से प्रचालनरत पाया गया। सीईटीपी समर्पित भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से बहिस्साव प्राप्त करता है और इसका शोधन सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) तकनीक पर आधारित है। यह बताया गया कि सीईटीपी भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से शोधित बहिस्साव को बुड्ढा नाला (जो सतलुज नदी से मिलता है) में छोड़ रहा है। हालाँकि, दिनांक 03.05.2013 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सीईटीपी को जारी की गई पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) के अनुसार, "शोधित अपशिष्ट जल का उपयोग सिंचाई के लिए किया जाएगा" और विशेष नियमों तथा शर्तों में यह भी उल्लेख किया गया है कि, "बुड्ढा नाला में कोई निस्सरण नहीं किया जाएगा"।
- ii. वायु अधिनियम, 1981 के तहत सहमति दिनांक 29.12.2024 तक वैध है और खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचालन) नियम, 2016 के तहत 40 एमएलडी सीईटीपी के संचालन के लिए प्रदत्त प्राधिकार दिनांक 19.12.2024 तक वैध है। हालाँकि, जल अधिनियम, 1974 के तहत सहमति दिनांक 15.05.2023 तक वैध थी। सीईटीपी ने दिनांक 07.09.2023 को पीपीसीबी को सहमति के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है।
- iii. यह बताया गया कि 72 रंगाई और छपाई इकाइयों ने सीईटीपी से सदस्यता प्राप्त कर ली है। सीईटीपी संचालक द्वारा यह भी बताया गया कि सहमति में सीईटीपी के लिए इनलेट मानदंड निर्धारित नहीं है।
- iv. निगरानी के दौरान सीईटीपीसे ग्रेब नमूने एकत्र किए गए। सीईटीपीआउटलेट से एकत्र किए गए नमूनों के विश्लेषण के परिणाम से पता चलता है कि BOD: 54 mg/l (मानक: 30 mg/l), COD: 262 mg/l (मानक: 250 mg/l), क्लोराइड: 2284 mg/l (मानक: 1000 mg/l) और सल्फाइड: 2.4 mg/l (मानक: 2 mg/l) के संबंध में सीईटीपीके लिए अधिसूचित बहिस्साव निस्सरण मानकों से अधिक हैं। अन्य निगरानी पैरामीटर निर्धारित मानकों के भीतर हैं।
- v. एमएलएसएस और एमएलवीएसएस के लिए सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) टैंक से भी ग्रेब सैंपल एकत्र किए गए। विश्लेषण के परिणाम से पता चलता है कि एमएलएसएस की सांद्रता: 4661 मिलीग्राम/लीटर (डिजाइन की गई सीमा: 5000-7000 मिलीग्राम/लीटर) और एमएलवीएसएस की सांद्रता: 3000 मिलीग्राम/लीटर (डिजाइन की गई सीमा: 3500-4200

मिलीग्राम/लीटर) डिजाइन की गई सीमा से कम है, जो एसबीआर के खराब संचालन को दर्शाता है।

- vi. सीईटीपी ने पी.पी.सी.बी. और सी.पी.सी.बी. सर्वर से कनेक्टिविटी के साथ पीएच, टी.एस.एस., सी.ओ.डी., बी.ओ.डी. जैसे मापदंडों के लिए शोधितबहिस्त्राव के अंतिम आउटलेट पर ऑनलाइन सतत अपशिष्ट निगरानी प्रणाली (ओ.सी.ई.एम.एस.) स्थापित की है। दौरे के दौरान, ओ.सी.ई.एम.एस. परिचालनरत पाया गया और निगरानी परिणामों की तुलना में ओ.सी.ई.एम.एस. रीडिंग में भिन्नता भी पाई गई जो ओ.सी.ई.एम.एस. प्रणाली के अनुचित कामकाज/सत्यापन/अंशांकन को इंगित करता है।
- vii. सी.ई.टी.पी. ने मैसर्स री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड (मैसर्स रामकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड) से कीचड़ भंडारण सुविधा प्रदान की है और सदस्यता प्राप्त की है। सी.ई.टी.पी. ने वर्ष 2023-24 के दौरान 3517.235 मीट्रिक टन कीचड़ (लॉग बुक रिकॉर्ड के अनुसार) का निपटान किया था।
- ख. सीईटीपी - 50 एमएलडी, ताजपुर - राहों रोड क्लस्टर, लुधियाना, सेंट्रल जेल के पास, ताजपुर रोड, लुधियाना, पंजाब।**
- i. दिनांक 22.04.2024 को किए गए दौरे के दौरान, सीईटीपी को 46 एमएलडी की प्रवाह दर से परिचालनरत पाया गया। सीईटीपी समर्पित भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से बहिस्त्राव प्राप्त करता है और शोधन सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) तकनीक पर आधारित है। यह बताया गया कि सहमति के अनुसार, सीईटीपी को भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से सीईटीपी से बुड़ढा नाला (जो सतलुज नदी से मिलता है) में शोधितबहिस्त्राव को छोड़ने की अनुमति है। हालाँकि, दिनांक 03.05.2013 को सीईटीपी को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ईसी के अनुसार, "शोधित अपशिष्ट जल का उपयोग सिंचाई के लिए किया जाएगा" और विशेष नियमों और शर्तों में यह भी उल्लेख किया गया है कि, "बुड़ढा नाला में कोई निस्सरण नहीं किया जाएगा"।
- ii. 50 एमएलडी सीईटीपी के संचालन के लिए वायु अधिनियम, 1981 के तहत सहमति दिनांक 31.03.2026 तक वैध है। हालाँकि, खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचालन) नियम, 2016 के तहत प्रदत्त प्राधिकार दिनांक 04.12.2023 तक वैध था और जल अधिनियम, 1974 के तहत दी गई सहमति दिनांक 22.08.2023 तक वैध थी। सीईटीपी ने दिनांक 31.08.2023 को सहमति और प्राधिकार के नवीनीकरण के लिए पीपीसीबी को आवेदन किया है।
- iii. यह बताया गया कि 110 रंगाई और छपाई इकाइयों ने सीईटीपी से सदस्यता प्राप्त कर ली है। सीईटीपी संचालक द्वारा यह भी बताया गया कि सहमति में सीईटीपी के लिए इनलेट मानदंड निर्धारित नहीं है।
- iv. निगरानी के दौरान सीईटीपीसे ग्रैब नमूने एकत्र किए गए। सीईटीपी आउटलेट से एकत्र किए गए नमूनों के विश्लेषण के परिणाम से पता चलता है कि BOD: 128 mg/l (मानक: 30mg/l), COD: 382 mg/l (मानक: 250 mg/l) और क्लोराइड: 1713 mg/l (मानक:

1000 mg/l) के संबंध में सीईटीपी के लिए अधिसूचित बहिस्त्राव निस्सरण, मानकों से अधिक है। अन्य निगरानी किए गए पैरामीटर निर्धारित मानकों के भीतर हैं।

- v. एमएलएसएस और एमएलवीएसएस के लिए सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) टैंक से भी ग्रैब नमूने एकत्र किए गए। विश्लेषण के परिणाम से पता चलता है कि एमएलएसएस की सांद्रता: 300 मिलीग्राम/एल (डिजाइन मूल्य: 5000 मिलीग्राम/एल) और एमएलवीएसएस की सांद्रता: 215 मिलीग्राम/एल (डिजाइन मूल्य: 4000 मिलीग्राम/एल) डिजाइन मूल्यों से कम है, जो एसबीआर के खराब संचालन को इंगित करता है।
- vi. सीईटीपी ने पीपीसीबी और सीपीसीबी सर्वर से कनेक्टिविटी के साथ पीएच, टीएसएस, सीओडी, बीओडी जैसे मापदंडों के लिए शोधित अपशिष्ट जल के अंतिम आउटलेट पर ऑनलाइन सतत बहिस्त्राव निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) स्थापित की है। दौरे के दौरान, ओसीईएमएस को प्रचालनरत पाया गया और निगरानी परिणामों की तुलना में ओसीईएमएस रीडिंग में भिन्नता भी रिपोर्ट की गई जो ओसीईएमएस प्रणाली के अनुचित कामकाज/सत्यापन/अंशांकन को इंगित करता है।
- vii. दौरे के दौरान, यह देखा गया कि सीईटीपी ने कीचड़ भंडारण सुविधा प्रदान की है और कीचड़ के निपटान के लिए मेसर्स री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड (मेसर्स रामकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड) से सदस्यता प्राप्त की है। सीईटीपी ने वर्ष 2023-24 के दौरान टीएसडीएफ के माध्यम से 1597.20 मीट्रिक टन कीचड़ का निपटान किया था और लॉग बुक रिकॉर्ड के अनुसार, परिसर में लगभग 173 मीट्रिक टन कीचड़ संग्रहीत किया गया था।

ग. सीईटीपी - 15 एमएलडी सीईटीपी- बहादुरके रोड, लुधियाना, पंजाब।

- i. दिनांक 22.04.2024 को किए गए दौरे के दौरान, सीईटीपी को 11.26 एमएलडी की प्रवाह दर के साथ प्रचालनरत पाया गया। सीईटीपी समर्पित भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से बहिस्त्राव प्राप्त करता है और इसका शोधन अनुक्रमिक बैच रिएक्टर (एसबीआर) तकनीक पर आधारित है। यह बताया गया कि सीईटीपी भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से उपचारित बहिस्त्राव को बुड्ढा नाला (जो सतलुज नदी से मिलता है) में सीईटीपी से छोड़ रहा है। हालाँकि, दिनांक 08.12.2014 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ईसी के अनुसार, सीईटीपी को एक जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम स्थापित करना आवश्यक है।
- ii. 15 एमएलडी सीईटीपी के संचालन के लिए वायु अधिनियम, 1981 के तहत सहमति दिनांक 31.03.2025 तक वैध है। हालाँकि, जल अधिनियम, 1974 के तहत प्रदूत सहमति दिनांक 04.01.2023 तक वैध थी और खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारय संचालन) नियम, 2016 के तहत प्रदूत प्राधिकार दिनांक 04.10.2022 तक वैध था, जिसके लिए सीईटीपी ने पीपीसीबी को नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है।
- iii. यह बताया गया कि 36 रंगाई/छपाई/धुलाई इकाइयों ने सीईटीपी से सदस्यता प्राप्त की है और दौरे के समय सीईटीपी से जुड़ी हैं। सीईटीपी ऑपरेटर द्वारा यह भी बताया गया कि सहमति में सीईटीपी के लिए इनलेट मानदंड निर्धारित नहीं हैं।

- iv. निगरानी के दौरान सीईटीपी से ग्रैब नमूने एकत्र किए गए। सीईटीपी आउटलेट से एकत्र किए गए नमूनों के विश्लेषण के परिणामों से पता चलता है कि बीओडी: 243 मिलीग्राम /लीटर (मानक: 30 मिलीग्राम/लीटर), सीओडी: 587 मिलीग्राम/लीटर (मानक: 250 मिलीग्राम/लीटर), क्लोराइड: 1904 मिलीग्राम/लीटर (मानक: 1000 मिलीग्राम/लीटर) और सल्फाइड: 16 मिलीग्राम/लीटर (मानक: 2 मिलीग्राम/लीटर) के संबंध में सीईटीपी के लिए अधिसूचित बहिस्त्राव निस्सरण मानकों से अधिक है। अन्य निगरानी पैरामीटर निर्धारित मानकों के भीतर हैं।
- v. एमएलएसएस और एमएलवीएसएस के लिए अनुक्रमिक बैच रिएक्टर (एसबीआर) टैंक से ग्रैब नमूने एकत्र किए गए। नमूना विश्लेषण के परिणामों से पता चलता है कि एमएलएसएस की सांद्रता: 2639 मिलीग्राम/लीटर (डिजाइन मूल्य: 4840 मिलीग्राम/लीटर) और एमएलवीएसएस की सांद्रता: 1179 मिलीग्राम/लीटर (डिजाइन मूल्य: 3872 मिलीग्राम/लीटर) डिजाइन किए गए मूल्यों से कम है, जो एसबीआर के खराब संचालन को इंगित करता है।
- vi. सीईटीपी ने पीपीसीबी और सीपीसीबी सर्वर से कनेक्टिविटी के साथ पीएच, टीएसएस, सीओडी, बीओडी जैसे मापदंडों के लिए उपचारित अपशिष्ट के अंतिम आउटलेट पर ऑनलाइन निरंतर अपशिष्ट निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) स्थापित किया है। दौरे के दौरान, ओसीईएमएस को प्रचालनरत पाया गया और निगरानी परिणामों की तुलना में ओसीईएमएस रीडिंग में भिन्नता भी रिपोर्ट की गई जो ओसीईएमएस प्रणाली के अनुचित कामकाज/सत्यापन/अंशांकन को इंगित करता है।
- vii. दौरे के दौरान, यह देखा गया कि सीईटीपी ने कीचड़ भंडारण सुविधा प्रदान की है और कीचड़ के निपटान के लिए मेसर्स री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड (मेसर्स रामकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड) से सदस्यता प्राप्त की है। सीईटीपी ने टीएसडीएफ के माध्यम से दिनांक 02.04.2023 से दिनांक 31.03.2024 की अवधि के दौरान 602.685 मीट्रिक टन कीचड़ का निपटान किया था।
- घ. **सीईटीपी 500 केएलडी सीईटीपी, प्लॉट नंबर डी - 260-261, फेज - VIII, फोकल प्वाइंट, लुधियाना, पंजाब।**
- i. दिनांक 23.04.2024 को किए गए दौरे के दौरान, सीईटीपी को 450 केएलडी की प्रवाह दर से प्रचालनरत पाया गया। यह सूचित किया जाता है कि सीईटीपी अपशिष्ट ले जाने के लिए GPS सिस्टम से लैस वाहनों (संख्या में 56) के माध्यम से सदस्य इकाइयों से समर्पित टैंकों बहिस्त्राव प्राप्त करता है। सीईटीपी में भौतिक-रासायनिक प्रक्रिया के बाद फिल्ट्रेशन, दो चरण रिवर्स ऑस्मोसिस (RO) और उसके बाद वाष्पीकरण शामिल है ताकि सहमति और EC शर्त के अनुसार ZLD प्राप्त किया जा सके।
- ii. 500 KLD सीईटीपी के संचालन के लिए वायु सहमति दिनांक 30.06.2028 तक और जल सहमति 30.06.2027 तक वैध है। हालाँकि, खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचालन) नियम, 2016 के तहत प्रदत्त प्राधिकार दिनांक 16.06.2021 तक वैध था। बताया गया कि सीईटीपी ने दिनांक 01.10.2021 को पीपीसीबी को प्राधिकार के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है।

- iii. यह बताया गया कि 1613 इलेक्ट्रोप्लेटिंग उद्योग/धातु सतह शोधन इकाइयों ने सीईटीपी से सदस्यता प्राप्त की है और दौरे के समय सीईटीपी से जुड़े हैं। सीईटीपी ऑपरेटर द्वारा यह भी बताया गया कि सहमति में सीईटीपी के लिए इनलेट मानदंड निर्धारित नहीं हैं।
- iv. दौरे के दिन, यह देखा गया कि आरओ फीड, आरओ रिजेक्ट, इवेपोरेटर वेसल्स फीड और इवेपोरेटर कंसंट्रेट पर फ्लो मीटर लगाए गए हैं। बताया गया कि सीईटीपी ने कैटियन-एनियन और कार्बन फिल्टर सिस्टम पर डिफरेंशियल प्रेशर गेज प्रणाली स्थापित नहीं की है, जिसका उपयोग फिल्ट्रेशन प्रणाली के चोकिंग/स्केलिंग को इंगित करने के लिए किया जा सकता है।
- v. दौरे के दौरान, सीईटीपी के आरओ आउटलेट से ग्रेब नमूने एकत्र किए गए। दौरे के दौरान सीईटीपी परिसर से निकलने वाले अपशिष्ट का कोई निस्सरण नहीं देखा गया। बताया गया है कि शोधित बहिःस्राव (आरओ पर्मिएट और कंडेनसेट) का उपयोग कूलिंग टावर मेकअप वाटर, वृक्षारोपण, बागवानी, एमसी पार्को, डीसी कार्यालय, एनएच-95, निर्माण कार्यों में पानी उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है। सीईटीपी ने मैसर्स वर्धमान स्पेशल स्टील्स लिमिटेड सी-58, फोकल पॉइंट फेज-3, लुधियाना के साथ भी समझौता किया है, ताकि आवश्यकता के अनुसार विभिन्न उद्देश्यों में उपयोग के लिए टैंकों के माध्यम से 100 केएलडी शोधित अपशिष्ट लिया जा सके। इसके अलावा, सीईटीपी ऑपरेटर ने बागवानी, निर्माण गतिविधियों और औद्योगिक उपयोग और अन्य के लिए उपयोगकर्ताओं द्वारा लिए गए शोधित अपशिष्ट का रिकॉर्ड बनाए रखा है। सीईटीपी ने एक पर्यावरण प्रयोगशाला स्थापित की है।
- vi. सीईटीपी ने अंतिम आउटलेट/आरओ परमिट पर ओसीईएमएस (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ्लो मीटर, पीटीजेड कैमरा) स्थापित किया है जो सीपीसीबी निर्देशों के अनुपालन में सीपीसीबी/पीसीबी पोर्टल से जुड़ा हुआ है।
- vii. सीईटीपी ने घरेलू अपशिष्ट जल के शोधन के लिए मूविंग बेड बायोफिल्म रिएक्टर (एमबीबीआर) के साथ 05 केएलडी एसटीपी स्थापित किया है।

और, अब, इसलिए, जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 18 (1)(ख) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) को पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाने सहित उचित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया जाता है कि सीईटीपी का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

- क. शोधन प्रणाली का उचित ढंग से संचालन/संवर्द्धन, ताकि निर्धारित निस्सरण मानकों को पूरा किया जा सके और उपरोक्त 40 एमएलडी, 50 एमएलडी और 15 एमएलडी सीईटीपी में दिनांक 03.05.2013 और 08.12.2014 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दी गई पर्यावरणीय स्वीकृति में उल्लिखित निपटान शर्तों का अनुपालन किया जा सके। इसके अलावा, 50 एमएलडी सीईटीपी, 40 एमएलडी सीईटीपी और 15 एमएलडी सीईटीपी से बुढ़ा नाला में शोधित बहिःस्राव का निस्सरण बंद किया जाए।
- ख. जल अधिनियम-1974 के तहत वैध सहमति/पीपीसीबी से खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचालन) नियम, 2016 के तहत प्रदत्त प्राधिकार और उसके उल्लिखित सभी शर्तों का अनुपालन किया जाए।

ग. आपूर्तिकर्ताओं की मानक प्रचालन प्रक्रियाओं/सिफारिशों के अनुसार ओसीईएमएस विश्लेषकों का नियमित अंशांकन, रखरखाव और सत्यापन करना, ताकि निरंतर और विश्वसनीय डेटा का तैयार किया जाना सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अलावा, पीपीसीबी को यह भी निर्देश दिया जाता है:

क. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दिनांक 03.05.2013 और 08.12.2014 को जारी पर्यावरण मंजूरी के अनुसार संबंधित सीईटीपी के लिए निपटान की स्थिति निर्धारित करना।

ख. सीईटीपी की दिनांक 01.01.2016 की अधिसूचना के अनुसार सीईटीपी के लिए इनलेट मानक निर्धारित करना।

ग. व्यक्तिगत सदस्य उद्योग द्वारा पीईटीपी/ईटीपी के उचित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सीईटीपी के सदस्य उद्योगों का नियमित रूप से सत्यापन करना।

पीपीसीबी द्वारा की गई कार्रवाई से इन निर्देशों की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर पीपीसीबी को अवगत कराया जाए।

(भरत कुमार शर्मा)
सदस्य सचिव

प्रतिलिपि :

1. **अध्यक्ष** : जानकारी के लिए
पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
वातावरण भवन, नाभा रोड
पटियाला पंजाब
2. **अपर सचिव (सीपी प्रभाग) :** जानकारी के लिए
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,
पृथ्वी विंग, द्वितीय तल, इंदिरा पर्यावरण भवन,
जोर बाग रोड,
नई दिल्ली - 110003
3. **क्षेत्रीय निदेशक (चंडीगढ़):** अनुवर्ती कार्रवाई के लिए
केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज, दूसरी मंजिल
सेक्टर-49सी, चंडीगढ़-160047
4. **प्रभागीय प्रमुख, WQM-I,:** जानकारी के लिए
सीपीसीबी, दिल्ली
5. **प्रभागीय प्रमुख, आईपीसी-VI:** जानकारी के लिए
सीपीसीबी, दिल्ली
6. **संभागीय प्रमुख, आईटी:** वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए
सीपीसीबी, दिल्ली

(भरत कुमार शर्मा)